IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA Criminal Miscellaneous No.19141 of 2017

Arising Out of PS. Case No.-58 Year-2017 Thana- MOTIHARI TOWN District- East Champaran

Suraj Kumar S/o Sri Bhagwan Rai, residence of village Janpur Chowk near Maweshi Hospital, P.S. Town, Dist. East Champaran

... Petitioner/s

Versus

- 1. The State Of Bihar
- 2. Kumari Rani w/o Suraj Kumar, D/o Om Prakash Keshari, R/o village Janpul Chowk Maweshi Hospital, P.S. Town, Dist. East Champaran, at present R/o Mohalla House of Soniya Devi w/o Suraj Sah, Teliyapatti Gandhi Nagar, Ward No.3, P.S. Town, District East Champaran

... ... Opposite Party/s

Appearance:

For the Petitioner : Mr. Ajay Kumar Singh, Advocate For the State : Mr. Satyendra Narayan Singh, APP

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE SUDHIR SINGH ORAL ORDER

5 04-01-2018 None appears on behalf of the opposite party No.2.

Heard learned counsel for the petitioner and learned APP for the State.

The petitioner is apprehending his arrest in a case registered under Sections 341, 323, 498A, 504 and 506/34 of the Indian Penal Code.

Allegation against the petitioner is of committing torture upon the victim due to non-fulfilment of demand of dowry.

The matter was referred to the Mediation Centre, Patna High Court vide order dated 24.08.2017.

Following is the report of the Mediator:



पटना उच्च न्यायालय मध्यस्थता केन्द्र मेमोरेडम ऑफ एग्रीमेन्ट मध्यस्थता कार्रवाई संख्या – 793 ऑफ 2017 ising out of Cr. Misc. No. 19141 of 2017

(Arising out of Cr. Misc. No. 19141 of 2017)

An agreement made on 02-01-2018 at the Patna High Court Mediation Centre, between.

Suraj Kumar, S/o Sri Bhagwan Rai, residence of Village – Janpur Chowk Near Maweshi Hospital, P.S.- Town, District – East Champaran ————Petitioner.

And

Kumari Rani, Wife of Suraj Kumar, D/o Prakash Keshari, resident of Village- Janpur Chowk Near Maweshi Hospital, P.S. - Town, District — East Champaran, at present resident of Mohalla- House of Soniya Devi, W/o Suraj Sah, Teliyapatti Gandhi Nagar, Ward No. 3, P.S.- Town, District- East Champaran. —————Opposite Party No. 2

- 1. आज दिनांक 02.01.2018 को सूरज कुमार, प्रथम पक्ष पत्नी कुमारी रानी, द्वितीय पक्ष के साथ पटना उच्च न्यायालय मध्यस्थता केन्द्र में अपने मध्यस्थता कार्यवाही में उपस्थित होकर आपसी मतभेद मध्यस्थता द्वारा निष्पादन किये।
- 2. यह कि हमलोग अपना सभी मतभेद समाप्त करना चाहतें हैं और आपसी सामंजस्य के साथ दाम्पत्य जीवन व्यतीत करना चाहतें हैं।
- 3. यह कि हमलोग तय किये है कि एक दूसरे को पूर्ण सम्मान देंगें तथा कोई भी मतभेद होने पर सामंजस्य पूर्वक उसका सामाधान आपस में मिल—जूल करेंगें तथा किसी भी परिस्थिति में आपस में मार—पीट एवं गाली—गलौज नहीं करेंगें और किसी भी परिस्थिति में आपस में प्रथम पक्ष या द्वितीय पक्ष के माता—पिता एवं अभिभावक इनके विवाद में या जीवन में अनावश्यक दखल नहीं देंगें।
- 4. यह कि हमलोग यह तय करतें हैं कि अपने बच्चों का परविरश दोनों पक्ष मिलकर सही ढंग से करेंगें। प्रथम पक्ष सूरज कुमार, बच्ची केशर कुमारी का पढ़ाई लिखाई परविरश, शादी—विवाह का खर्चा भी अपने सामर्थ के अनुसार करेंगें। जिस हेतु बैंक के खाता खोल कर समय—समय पैसा जमा करेंगें।
 - 5. प्रथम पक्ष किसी भी तरह का नशा नहीं करेंगें न ही पत्नी के साथ हिंसात्मक रवैया या मारपीट करेगें। प्रथम पक्ष द्वितीय पक्ष को नौकरी करने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगें।
- 6. दोनों पक्ष आपसी सहमति से अलग मकान लेकर वहाँ रहेंगे। किसी भी पक्ष के परिवार का तत्काल उसमें अनावश्यक दखल नहीं होगा।
- 7. यह कि द्वितीय पक्ष भी अपना पत्नी घर्म सही ढंग से निभायेंगी।
- 8. यह कि दोनो पक्षों के बीच तय हुआ है कि मोतिहारी नगर थाना काण्ड संख्या — 58 / 2017, द्वितीय पक्ष आपसी सहमति से वापस लेना चाहती है एवं इसे आगे नहीं बढ़ाना चाहती है।
- 9. यह कि दोनों पक्ष उपरोक्त अनुबंध को पढ़ व पढ़वाकर एवं



समझकर अपने पूर्व विवाद को सुलह करते हुए अपने—अपने हस्ताक्षर अपने—अपने विद्वान अधिवक्ता के समक्ष कियें।

ਵ0 ∕ − ਵ0 ∕ − (कुमारी रानी) (सूरज कुमार) प्रथम पक्ष का हस्ताक्षर द्वितीय पक्ष का हस्ताक्षर दिनांक 02.01.2018 दिनांक 02.01.2018 ह0 ∕ − ह0 ∕ − प्रथम पक्ष के अधिवक्ता का हस्ताक्षर द्वितीय पक्ष के अधिवक्ता का हस्ताक्षर A.O.R. No. 1729 A.O.R. No. 00066 दिनांक 02.01.2018 दिनांक 02.01.2018

It has been submitted on behalf of the petitioner that the petitioner has got no criminal antecedent. There is no allegation of tampering of witnesses alleged against the petitioner. The petitioner has falsely been implicated in the present case due to petty family dispute. The case is triable by the Magistrate. The petitioner has relied upon the judgment of this Court in the case of Md. Naimul Haque Ansari @ Naimul Haque Ansari & Ors. Vs. The State of Bihar, reported in 2006(3) PLJR 182.

It has been submitted that the matter has been settled between the parties.

On behalf of the State, it is submitted that the petitioner is named in the F.I.R.

Considering the aforesaid facts and circumstances and the fact that the matter has been settled between the parties, let the petitioner, above named, in the event of arrest/surrender before the learned court below within a period of six weeks from today,



4/4

be released on anticipatory bail on furnishing bail bonds of Rs.10,000/- (Ten thousand) with two sureties of the like amount each to the satisfaction of Chief Judicial Magistrate, Motihari, East Champaran in connection with Motihari Town P.S. case No.58 of 2017, subject to the conditions as laid down under Section 438(2) of the Code of Criminal Procedure.

(Sudhir Singh, J)

Narendra/-

UT

